Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June–2023

M.A. Darshan, Semester-IV
Darshan ; Paper : Second

न्याय–वैशेषिक–4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्रवृत्ति और दोष की नैयायिक प्रक्रिया से परीक्षा प्रकरण को विस्तार से निरूपित करें।
2. अपवर्ग का स्वरूप नैयायिक प्रक्रियापूर्वक विस्तार से वर्णित करें।
3. तत्त्वज्ञानोत्पत्ति उसके उपाय एवं तत्त्वज्ञान के फल का विस्तृत वर्णन करें।
4. वैशेषिकदर्शनानुसार अभाव के स्वरूप व भेदों का वर्णन करें।
5. प्रशस्तपादभाष्यानुसार 'अवयवों' का विवेचन करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. न्यायदर्शन चतुर्थ अध्याय से कितने प्रकार के प्रवादों का निरूपण किया गया है। संक्षेप में बतायें।
7. चतुर्थ अध्याय के अनुसार दुःख के स्वरूप का निरूपण करें।
8. अपवर्ग प्राप्ति हेतु संसार के सभी पदार्थों का तत्त्वज्ञान होना अनिवार्य है या कुछ का? किन–किन का?
9. "अरण्यगुहापुलिनादिषु योगाभ्यासोपदेशः" इस सूत्र का अर्थ संक्षेप में लिखें।
10. वैशेषिक दर्शनानुसार समवायिकारण का संक्षिप्त परिचय दें।
11. पदार्थ 'छः' हैं या 'सात' वैशेषिक मतानुसार निरूपित करें।
12. प्रशस्तपादभाष्यानुसार 'अनुमान प्रकरण' को वर्णित करें।

----------x----------